# भारत का भौगोलिक संकेतक परदृश्य

## प्रलिम्सि के लिये:

[भौगोलिक संकेतक (GI) टैग](), [विश्व व्यापार संगठन (WTO)](), GI अधिनियिम, 1999

## मेन्स के लिये:

बौद्धिक संपदा अधिकार, पारंपरिक ज्ञान का संरक्षण

[स्रोत: डाउन टू अर्थ]()

## चर्चा में क्यों?

भारत की दो दशकों से अधिक की [भौगोलिक संकेतक (Geographical Indication - GI) टैग]() यात्रा को सीमित परिणामों के साथ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है जो पंजीकरण प्रक्रियाओं में सुधार की आवश्यकता का संकेत देता है।

## भौगोलिक संकेतक (GI) क्या है?

- **परिचय:**
  - भौगोलिक संकेतक (GI) टैग, एक ऐसा नाम या चिह्न है जिसका उपयोग उन विशेष उत्पादों पर किया जाता है जो किसी विशिष्ट भौगोलिक स्थान या मूल से संबंधित होते हैं।
  - भौगोलिक संकेतकों को पेरिस कन्वेंशन के अनुच्छेद 1(2) एवं 10 के तहत बौद्धिक संपदा अधिकारों (IPR) के एक भाग के रूप में मान्यता दी गई है और इन्हें [बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार संबंधी पहलुओं (TRIPS) समझौते]() के **अनुच्छेद 22-24** के तहत भी मान्यता प्राप्त है।
    - कई यूरोपीय संघ के देशों में, **GI** को दो बुनियादी श्रेणियों **संरक्षित GI (Protected GI - PGI)** और **संरक्षित मूल स्थान (Protected Destination of Origin - PDO)** में वर्गीकृत किया गया है। भारत में केवल PGI श्रेणी मौजूद है।
  - यह प्रमाणीकरण **गैर-कृषि उत्पादों** तक भी बढ़ाया जाता है, जैसे मानव कौशल पर आधारित **हस्तशिल्प,** कुछ क्षेत्रों में उपलब्ध सामग्री और संसाधन जो उत्पाद को अद्वितीय बनाते हैं।
  - GI का **पारंपरिक ज्ञान**, संस्कृति की रक्षा के लिये एक शक्तिशाली उपकरण है और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा दे सकता है।
- **विधिक ढाँचा तथा दायित्व:**
  - यह **बौद्धिक संपदा अधिकार के व्यापार-संबंधित पहलुओं (TRIPS)** पर [विश्व व्यापार संगठन (WTO)]() समझौते द्वारा विनियमित एवं निर्देशित है।
  - वस्तुओं का **'वस्तुओं का भौगोलिक सूचक' (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999** भारत में वस्तुओं से संबंधित भौगोलिक संकेतकों के पंजीकरण तथा बेहतर संरक्षण प्रदान करने का प्रयास करता है।
  - इसके अतिरिक्त बौद्धिक संपदा के अभिन्न घटकों के रूप में औद्योगिक संपत्ति और भौगोलिक संकेतकों की सुरक्षा के महत्त्व को [पेरिस कन्वेंशन]() **के अनुच्छेद 1(2) एवं 10** में स्वीकार किया गया, साथ ही इसके संरक्षण पर अधिक बल भी दिया गया है।
- **GI-टैग पंजीकरण की स्थिति:**
  - अन्य देशों की तुलना में भारत **GI पंजीकरण (registration)** के मामले में पीछे है। GI रजिस्ट्री के अनुसार, दिसंबर 2023 तक, **बौद्धिक संपदा भारत** को केवल 1,167 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से **केवल 547 उत्पाद पंजीकृत** किये गए हैं।
  - [विश्व बौद्धिक संपदा संगठन]() के 2020 के आँकड़ों के अनुसार, 15,566 पंजीकृत उत्पादों के साथ जर्मनी **GI पंजीकरण** में सबसे आगे है, इसके बाद **चीन (7,247) का स्थान** आता है।
  - **वैश्विक स्तर पर, पंजीकृत GI में वाइन और स्पिरिट का हिस्सा 51.8% है** , इसके बाद कृषि उत्पाद एवं खाद्य पदार्थ (29.9%) आते हैं।
    - भारत में **हस्तशिल्प (लगभग 45%) और कृषि (लगभग 30%) में** अधिकांश **GI** उत्पाद शामिल हैं।
- **भारत में GI टैग के संबंध में चिंताएँ:**
  - **GI अधिनियम और पंजीकरण प्रक्रिया से संबंधित चिंताएँ:**

        - दो दशक पहले बनाए गए **GI अधिनियम, 1999** में वर्तमान चुनौतियों से निपटने के लिये समय पर संशोधन करने की आवश्यकता है।
        - सरल अनुपालन के लिये **पंजीकरण फॉर्म और आवेदन प्रसंस्करण** समय को सरल बनाने की आवश्यकता है।
            - भारत में वर्तमान आवेदन स्वीकृति अनुपात केवल लगभग 46% है।
        - **उपयुक्त संस्थागत विकास** की कमी GI सुरक्षा तंत्र के प्रभावी कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न करती है।
        - **मार्गदर्शन और समर्थन की कमी के कारण उत्पादक** अक्सर GI पंजीकरण के बाद संघर्ष करते हैं।
    - **उत्पादकों की परिभाषा में अस्पष्टता:**
        - **GI अधिनियम,1999** में "**उत्पादकों**" को परिभाषित करने में स्पष्टता की कमी के कारण मध्यस्थों की भागीदारी होती है।
            - मध्यस्थों को GI से लाभ होता है, जिससे वास्तविक उत्पादकों का अपेक्षित लाभ कम हो जाता है।
    - **अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विवाद:**
        - विशेषकर [**दार्जिलिंग चाय** ] और [**बासमती चावल**] जैसे उत्पादों से संबंधित विवादों से संकेत मिलता है कि पेटेंट, ट्रेडमार्क एवं कॉपीराइट की तुलना में GI के विकास पर कम ध्यान दिया जाता है।
    - **शैक्षणिक सीमा:**
        - GI पर सीमित **अकादमिक फोकस भारत से केवल सात प्रकाशनों** से स्पष्ट है।
            - प्रकाशनों में हालिया उद्भव- 2021 में जारी 35 लेख- शिक्षाविदों के बीच बढ़ती रुचि का संकेत देते हैं।
        - इटली, स्पेन और फ्राँस जैसे **यूरोपीय देश** GI से संबंधित अकादमिक प्रकाशनों में अग्रणी हैं।

## GI-आधारित उत्पादों की क्षमता की पहचान करने के लिये क्या किया जा सकता है?

- GI आधारित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिये सरकार द्वारा ज़मीनी स्तर पर **उत्पादकों को प्रोत्साहित किये जाने की आवश्यकता है**।
    - कानूनों को वास्तविक उत्पादकों को सीधा लाभ सुनिश्चित करते हुए "**गैर-उत्पादकों" को लाभ से बाहर करने की आवश्यकता है**।
- **GI हितधारकों** के बीच प्रौद्योगिकी, कौशल निर्माण और **डिजिटल साक्षरता आधुनिकीकरण** के लिये महत्त्वपूर्ण हैं।
- सरकारी एजेंसियों को प्रदर्शनियों का आयोजन करने और विभिन्न मीडिया के माध्यम से GI-आधारित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिये व्यापार संघों के साथ सहयोग करने की ज़रूरत है ।
- **विदेशी बाज़ार** में विकास को प्रोत्साहित करने के लिये **भारतीय दूतावासों** को GI-आधारित उत्पादों को सक्रिय रूप से बढ़ावा देना चाहिये।
    - अनुकूल अंतर्राष्ट्रीय टैरिफ व्यवस्था और WTO में GI उत्पादों पर विशेष ध्यान वैश्विक उपस्थिति को बढ़ावा दे सकता है।
- [**एक ज़िला एक उत्पाद**] योजना के साथ **GI को एकीकृत** करने से प्रचार और बाज़ार तक पहुँच बढ़ सकती है।
    - बाज़ार आउटलेट योजनाएँ विकसित करना, विशेष रूप से **ग्रामीण बाज़ार** (ग्रामीण हाट), GI उत्पाद दृश्यता को बढ़ावा दे सकते हैं।
- GI उत्पादों की गुणवत्ता में **उपभोक्ताओं का विश्वास सुनिश्चित** करने के लिये बाज़ारों में परीक्षण प्रयोगशालाएँ स्थापित करना आवश्यक है।
- स्टार्टअप को GI के साथ संरेखित करना और उनके प्रदर्शन को [सतत विकास लक्ष्यों (SDG)] के साथ जोड़ना सामाजिक विकास में योगदान दे सकता है।

## UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

***??????????:***

**प्रश्न1. निम्नलिखित में से किसे 'भौगोलिक संकेतक' का दर्जा प्रदान किया गया है? (2015)**

1. बनारस के जरी वस्त्र एवं साड़ी
2. राजस्थानी दाल-बाटी-चूरमा
3. तिरुपति लड्डू

**नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:**

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

**उत्तर: C**

---

**प्रश्न 2. भारत ने वस्तुओं के भौगोलिक संकेतक(पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 को किसके दायित्वों का पालन करने के लिये अधिनियमित किया? (2018)**

(a) अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन
(b) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
(c) व्यापार एवं विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन

(d) वशि्व व्यापार संगठन

**उत्तर: (D)**

---

### ***?????:***

**प्रश्न. भैषजकि कंपनयिाँ आयुर्वज्ञिान के पारंपरकि ज्ञान को पेटेंट कराने से भारत सरकार कसि प्रकार रक्षा कर रही है?(2019)**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-s-geographical-indication-landscape